अमर उजाला झांसी

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय अब लेगा आकार

488 पद सृजित, भवन निर्माण पर लगी मुहर

अमर उजाला ब्यूरो

- बोर्ड की दूसरी बैठक में हुए महत्वपूर्ण फैसले

झांसी। वैसे तो महारानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना को दो साल हो चुके हैं, लेकिन अब यह अपना आकार लेने जा रहा है। बुधवार को विश्वविद्यालय के बोर्ड की द्वितीय बैठक में महत्वपूर्ण फैसले हुए। 488 पदों के सृजन का अनुमोदन हुआ तथा झांसी व दतिया में भवन निर्माण पर भी मुहर लगी। इस दौरान भवन निर्माण की जिम्मेदारी नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कार्पोरेशन (एनबीसीसी) को सौंपी गई।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित बोर्ड बैठक की अध्यक्षता कुलपति डा. अरविंद कुमार ने की। बैठक में 254 अध्यापन व 234 गैर शैक्षणिक पदों के सृजन का प्रस्ताव लाया गया, जिस पर बोर्ड ने मुहर लगाई। इस दौरान झांसी में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय भवन, महाविद्यालयों के शैक्षिक भवन, अतिथि गृह, छात्रावास, सभागार व कर्मचारी आवास के निर्माण के प्रस्ताव को भी अनुमोदित किया गया। इसके अलावा बैठक में मप्र के दतिया जनपद में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय व मत्स्यिकी महाविद्यालय के निर्माण का भी प्रस्ताव आया, जिसका बोर्ड ने अनुमोदन किया। निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी एनबीसीसी को सौंपी गई। कुलपति ने बताया कि निर्माण कार्य तीन साल में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके लिए बजट का अभाव नहीं है। सरकार बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए कृषि विश्वविद्यालय का भरपूर प्रोत्साहन कर रही है। बैठक में बोर्ड ने बुंदेलखंड के कृषि विकास के लिए किसानों को कृषि तकनीकी सहायता देने के उद्देश्य से विशेष इकाई गठित करने भी सुझाव दिया।

इस मौके पर राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. ए के सिंह, पूर्व कुलपति डा. सुरेश चंद्र मुदगिल, डा. बी वी पाटिल, डा. के आर धीमन, प्रगतिशील कृषक गोपाल दास पालीवाल, प्रमोद कुमारी राजपूत, एन कुमार आदि मौजूद रहे। बैठक से पूर्व सभी का स्वागत प्रशासनिक अधिकारी जवाहर लाल शर्मा ने किया। आभार वित्त अधिकारी महेश कुमार मुलानी ने जताया।

दो नये पाठ्यक्रम होंगे प्रारंभ

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में वर्तमान में एकमात्र पाठ्यक्रम बीएससी (कृषि) संचालित किया जा रहा है। बुधवार को हुई बोर्ड बैठक में दो नये पाठ्यक्रम बीएससी बागवानी व बीएससी वानिकी प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। इन दोनों नये कोर्सों में प्रवेश शिक्षण सत्र 2016-17 में लिए जाएंगे। दोनों में 20 - 20 छात्रों को प्रवेश मिलेगा। स्वयं का भवन न होने की वजह से फिलहाल विश्वविद्यालय की शैक्षिक व प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान केंद्र के भवन में किया जा रहा है।

झाँसी जागरण 5 झांसी, 11 फरवरी 2016

कृषि विवि में दो नये कोर्स

- बीएससी बागवानी व बीएससी वानिकी शुरू होंगे
- बोर्ड बैठक में लिया गया निर्णय, कई प्रस्तावों का अनुमोदन हुआ

झाँसी : रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय आगामी सत्र से दो नये कोर्स शुरू करने जा रहा है। आज प्रबन्धन बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया, साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया।

बैठक कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पहले हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई। बोर्ड ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित शैक्षिक विनियम, 254 अध्यापन, 234 गैर शैक्षणिक पदों के सृजन व वित्तीय वर्ष 2014-15 के वार्षिक लेखे को अनुमोदित किया। इसके अतिरिक्त झाँसी व दतिया में विभिन्न प्रस्तावित निर्माण कार्यों जैसे प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, महाविद्यालयों के शैक्षणिक भवन, अतिथि गृह, छात्रावास, सभागार व कर्मचारी आवास गृह आदि को भी अनुमोदित किया। निर्णय लिया गया कि आगामी सत्र से विश्वविद्यालय में बीएससी बागवानी व बीएससी वानिकी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रांगण विकास एवं भवन निर्माण हेतु विश्वविद्यालय एवं एनबीसीसी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। बोर्ड ने बुन्देलखण्ड के कृषि विकास हेतु किसानों को कृषि तकनीकि सहायता प्रदान करने हेतु एक विशेष इकाई गठित करने का भी सुझाव दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में राजमाता विजयराजे सिन्धिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके सिंह, पूर्व कुलपति डॉ. सुरेश चन्द्र मुदगल, डॉ. बीवी पाटिल, डॉ. केआर धीमन, प्रगतिशील कृषक गोपाल दास पालीवाल, प्रमोद कुमारी राजपूत, एन कुमार आदि सदस्यों ने भाग लिया। अतिथियों का स्वागत प्रशासनिक अधिकारी जवाहर लाल शर्मा ने किया। अन्त में वित्त अधिकारी महेश कुमार मुलानी ने आभार व्यक्त किया।